''इंडिया स्टोन मार्ट'' से राजस्थान के पत्थर उद्योग को प्रोत्साहन मिलेगा : कर्नल राठौड़

सीतापुरा स्थित जेईसीसी में 5 से 8 फरवरी तक होगा आयोजन, प्रदर्शनी भी लगेगी

जयपुर (कासं)। उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कहा कि इंडिया स्टोन मार्ट-2026 के आयोजन से राजस्थान के पत्थर उद्योग को प्रोत्साहन मिलेगा। प्रदेश के कारीगरों को देश-विदेश में इस क्षेत्र की नवीनतम तकनीक की जानकारी मिल सकेगी। रीको, सीडोस और लघु उद्योग भारती के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित यह कार्यक्रम नीति संवाद, तकनीक और वैश्विक सहयोग का अंतरराष्ट्रीय मंच बनेगा। ज्ञात रहे कि जयपुर के सीतापुरा स्थित जेईसीसी में 5-8 फरवरी तक यह आयोजन होगा। करीब 25 हजार वर्ग मीटर से अधिक क्षेत्र में भव्य प्रदर्शनी लगाई जाएगी। जहां 539 स्टॉल्स के माध्यम से स्टोन, मशीनरी और वैल्यू-एडेड उत्पादों का प्रदर्शन होगा। चीन, तुर्की, ईरान, थाइलैंड, इटली सहित अन्य देशों से प्रदर्शक इसमें शामिल होंगे। इसके साथ ही यूनाइटेड स्टेट्स ऑफ अमेरिका, यूनाइटेड किंगडम, ऑस्ट्रेलिया, संयुक्त अरब अमीरात, ग्रीस, श्रीलंका, अफ़ग़ानिस्तान, मॉरीशस, जर्मनी और रूस सहित 20 से अधिक देशों से अंतरराष्ट्रीय विज़िटर्स, खरीदार, आर्किटेक्ट्स, डवलपर्स और उद्योग प्रतिनिधियों की इस आयोजन में सहभागिता है।

कर्नल राठौड़ ने शुक्रवार को इंडिया स्टोन मार्ट 2026 के संबंध में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा कि राजस्थान इस आयोजन में शामिल होने वाले देश-विदेश के प्रतिभागियों के स्वागत के लिए पूरी तरह तैयार है। पत्थर उद्योग क्षेत्र से जुड़े सभी हितधारकों को एक अंतरराष्ट्रीय मंच उपलब्ध कराने के लिए वर्ष 2000 में शुरू हुए इंडिया स्टोन मार्ट का इस वर्ष 13वां संस्करण है। यह अब तक का सबसे भव्य आयोजन होगा। इसमें चीन, तुर्की, ईरान, थाइलैंड, इटली सहित अन्य देशों से प्रदर्शक भी शामिल होंगे। प्रेस कॉन्फ्रेंस में स्टोनमार्ट के संयोजक नटवर अजमेरा, लघु उद्योग भारती के राष्ट्रीय सह महामंत्री नरेश पारीक, रूडा की मैनेजिंग डायरेक्टर मनीषा अरोड़ा, सीडीओएस के सीईओ मुकुल रस्तोगी, सीडीओएस के चेयरमैन दीपक अजमेरा, लघु उद्योग भारती की राष्ट्रीय सचिव अंजू सिंह, लघु उद्योग भारती के पूर्व राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष योगेश गौतम मौजूद रहे।

उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने शुक्रवार को प्रैस कॉफ्रेंस कर स्टोन मार्ट के आयोजन के बारे में जानकारी साझा की।

- **करीब 25 हजार वर्गमीटर से अधिक क्षेत्र में लगने वाली प्रदर्शनी में 539 स्टॉल्स पर स्टोन, मशीनरी और वैल्यू-एडेड उत्पादों का प्रदर्शन होगा**
- **इस आयोजन में चीन, तुर्की, ईरान, थाइलैंड, इटली सहित कई देशों से प्रदर्शक शामिल होंगे**

ओडीओपी पवैलियन होगा खास

कर्नल राठौड़ ने बताया कि आयोजन में राजस्थान में एक जिला एक उत्पाद के तहत चयनित पत्थर के उत्पादों के प्रदर्शन के लिए एक विशेष पवैलियन बनाया जाएगा। इससे प्रदेश के इन उत्पादों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिलेगी। इससे इन उत्पादों के निर्यात में वृद्धि होगी और रोजगार के अवसर भी सृजित होंगे। कर्नल राठौड़ ने कहा कि राजस्थान को स्पष्ट नेतृत्व और नीति से नई दिशा मिला है। पिछले दो साल में निवेश प्रोत्साहन के लिए नई नीतियां और योजनाएं लागू की गई है। भजनलाल सरकार के इन प्रयासों के कारण राजस्थान एक बेहतरीन निवेश गंतव्य बन गया है। राइजिंग राजस्थान के तहत किए गए 35 लाख करोड़ रुपये के एमओयू में से 8 लाख करोड़ रुपये से अधिक के एमओयू पर काम शुरू हो गया है।

सरकारी और निजी क्षेत्र में रोजगार दे रही सरकार

कर्नल राठौड़ ने कहा कि पिछले दो वर्ष में राज्य सरकार ने युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने की दिशा में बेहतरीन काम किया है। अब तक राजकीय क्षेत्र में एक लाख से अधिक युवाओं को नियुक्तियां दी जा चुकी हैं और 1.54 लाख पदों के लिए भर्ती प्रक्रिया तेजी से आगे बढ़ रही है। निजी क्षेत्र में युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने के लिए निवेश समझौतों को धरातल पर उतारा जा रहा है। इस क्रम में राइजिंग राजस्थान, प्रवासी राजस्थानी दिवस का सफल आयोजन किया गया है। साथ ही, प्रदेश के युवाओं को खुद का रोजगार शुरू करने के लिए उद्योग एवं वाणिज्य विभाग द्वारा हाल ही में नई योजना लागू की है। इस मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना के तहत 10 लाख रुपये तक का ब्याजमुक्त ऋण उपलब्ध कराया जाएगा। इसके तहत एक लाख युवाओं को लाभान्वित करने का लक्ष्य रखा गया है।

इंडिया स्टोनमार्ट के संयोजक नटवर अजमेरा ने बताया कि आयोजन लगभग 25 हजार वर्ग मीटर क्षेत्र में किया जा रहा है, जिसमें 539 स्टॉल्स लगाए जाएंगे। इस संस्करण की सबसे बड़ी विशेषता इसकी अभूतपूर्व अंतरराष्ट्रीय भागीदारी है। पहली बार चीन, तुर्क, ईरान, थाईलैंड, इटली, स्पेन, यूनाइटेड किंगडम और यूनाइटेड स्टेट्स ऑफ अमेरिका जैसे 8 देशों से प्रदर्शक इंडिया स्टोनमार्ट में भाग ले रहे हैं। यह वैश्विक विश्वास और आयोजन की अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठा को दर्शाता है।

लघु उद्योग भारती के राष्ट्रीय सह महामंत्री नरेश पारीक ने कहा कि, यह आयोजन छोटे और मध्यम उद्यमों को अंतरराष्ट्रीय बाजार, नई तकनीक और निवेशकों से सीधे जोड़ने का कार्य कर रहा है। रूडा की मैनेजिंग डायरेक्टर मनीषा अरोड़ा ने कहा कि इंडिया स्टोनमार्ट 2026 राज्य के शहरी विकास, इंफ्रास्ट्रक्चर और डिज़ाइन इकोसिस्टम को नई दिशा देगा। उन्होंने कहा कि स्टोन इंडस्ट्री का उपयोग स्मार्ट सिटी, अर्बन इंफ्रास्ट्रक्चर और सस्टेनेबल आर्किटेक्चर में बढ़ाने की दिशा में यह आयोजन महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

सीडीओएस के चेयरमैन दीपक अजमेरा ने कहा कि इस बार आयोजन में तकनीक, डिज़ाइन, सस्टेनेबिलिटी और नवाचार पर विशेष फोकस रखा गया है। उन्होंने कहा कि डिजिटल एग्ज़िबिशन ऐप, मल्टी-लैंग्वेज वेबसाइट, अंतरराष्ट्रीय रोडशो, ओडीओपी पवेलियन, स्टूडेंट कॉम्पिटिशन और पॉलिसी डायलॉग जैसे कई नवाचार पहली बार इस संस्करण का हिस्सा है।

लघु उद्योग भारती की राष्ट्रीय सचिव अंजू सिंह ने कहा कि यह आयोजन छोटे और मध्यम उद्योगों को न केवल अंतरराष्ट्रीय बाजारों से जोड़ता है, बल्कि उन्हें नई तकनीक, डिज़ाइन इनोवेशन और नीति-संवाद का सीधा लाभ भी प्रदान करता है। लघु उद्योग भारती के पूर्व राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष योगेश गौतम ने कहा कि राजस्थान की स्टोन इंडस्ट्री में संसाधन, कौशल और उद्यमशीलता की अपार संभावनाएं हैं।

अभिनव वर्मा बने कार्यपालक निदेशक

जयपुर। अभिनव वर्मा ने पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लि. की राजस्थान परियोजना के कार्यपालक निदेशक (ईडी) का पदभार संभाला। विद्युत क्षेत्र में तीन दशकों से अधिक के अनुभव वाले अभिनव वर्मा को इंजीनियरिंग, निर्माण, परियोजना प्रबंधन, एसेट मैनेजमेंट तथा एचवीडीसी तकनीक में विशेष दक्षता प्राप्त है। आईटी लखनऊ से इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग के पश्चात उन्होंने भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम), रोहतक से पीजीडीएम की डिग्री प्राप्त की है। अपने अब तक के कार्यकाल में उन्होंने महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, गुजरात और गोवा जैसे कई राज्यों में पावरग्रिड की महत्वपूर्ण ट्रांसमिशन परियोजनाओं के साथ यूएलडीसी एवं टेलीकॉम के सफल क्रियान्वयन में अहम भूमिका निभाई है। इससे पूर्व, उन्होंने पावरग्रिड केंद्रीय कार्यालय में कॉर्पोरेट प्लानिंग एवं स्ट्रैटेजी विभाग में अपनी सेवाएँ प्रदान की थी।

कचरे के ढेर में मिली नवजात बच्ची

जयपुर । गलता गेट इलाके में अज्ञात माता-पिता अपनी नाजाईश पैदाईश को छुपाने के लिए एक दिन की नवजात बच्ची को कचरे के ढेर में छोड़कर फरार हो गए। बच्ची के रोने की आवाज सुन आसपास के लोग मौके पर जुट गए और मामले की जानकारी पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने बच्ची को अपने कब्जे में लेकर अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस ने अज्ञात माता-पिता के खिलाफ मामला दर्ज कर सीसीटीवी फुटेज व अस्पताल का रिकॉर्ड खंगाला।

सार-समाचार

रोहिणी सिंह की आर्ट एग्जीबिशन

जयपुर । जयपुर आर्ट वीक में जयपुर की कलाकार रोहिणी सिंह की आर्ट एग्जीबिशन का आयोजन उनके निजी आर्ट स्टूडियो में किया जा रहा है। इस एग्जीबिशन में ट्रैवल, पहाड़ों, रोजमर्रा के जीवन के पलों से प्रेरित लगभग 50 पेंटिंग्स और पोस्टकार्ड्स को विभिन्न शैलियों में शोकेस किया गया है। यह पेन्टिंग्स कलाकार की वर्ष 2010 से लेकर अब तक की रचनात्मक यात्रा को दर्शाती है। कलाकार रोहिणी ने पब्लिक आर्ट्स ट्रस्ट ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित इस सात दिवसीय कला उत्सव जयपुर आर्ट वीक 5.0 की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस आयोजन के माध्यम से कलाकारों को अपनी कला को व्यापक दर्शक वर्ग तक पहुंचाने, नेटवर्क बनाने और नई पहचान स्थापित करने के अवसर मिल रहे हैं। अपनी एग्जीबिशन पर बात करते हुए रोहिणी ने कहा कि, ''मेरा आर्ट वर्क मेरे रोज़मर्रा के जीवन से प्रेरित है, जिसमें लाईफ, होप, मिस्ट्री, डेथ जैसी कई मानवीय भावनाएं जुड़ी हैं। अपनी यात्राओं और रोज़मर्रा के दौरान जो कुछ मैं देखती हूं, महसूस और अनुभव करती हूं, उन भावनाओं को मैं अपनी कला के माध्यम से व्यक्त करती हूं।''

आर्ट वीक में कला, संवाद और प्रयोग

जयपुर । जयपुर आर्ट वीक के चौथे दिन शहर में कला, संस्कृति और रचनात्मक प्रयोगों की जीवंत झलक देखने को मिली। सुबह से लेकर शाम तक आयोजित विविध कार्यशालाओं, पैनल चर्चाओं और स्टूडियो विज़िट्स में कलाकारों, विद्यार्थियों और कला प्रेमियों की उत्साहपूर्ण भागीदारी रही। दिन की शुरुआत यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल में आयोजित 'द स्ट्रीट ऐज़ स्टूडियो' फोटोवॉक से हुई। गोलचा सिनेमा से प्रारंभ हुई इस अनोखी कार्यशाला में अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त फोटोग्राफर जेरोम डे परलिंघी ने प्रतिभागियों को सार्वजनिक स्थलों पर पोर्ट्रेट फ़ोटोग्राफी की बारीकियों से परिचित कराया। श्वेत-श्याम फोटोग्राफी के माध्यम से शहरी जीवन, मानवीय भाव और सार्वजनिक संवाद को समझने का अवसर मिला। दिन के मध्य सत्रों में पिंक सिटी स्टूडियो में आयोजित 'मिनिएचर पेंटिंग: प्रैक्टिस, प्रोसेस एंड डायलॉग' ने विशेष ध्यान आकर्षित किया। कलाकार रियाज़ उद्दीन और पास्कल उंगरर ने समकालीन मिनिएचर पेंटिंग की प्रक्रिया, विचार और तकनीकों पर संवाद किया।

'एच्ड इन सिल्वर' प्रदर्शनी का आयोजन

जयपुर । द पैलेस स्कूल में विद्यालय की रजत जयंती के अवसर पर फोटोग्राफी प्रदर्शनी ''एच्ड इन सिल्वर'' का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सर्वप्रथम मां सरस्वती के समक्ष राजस्थान की उपमुख्यमंत्री एवं विद्यालय की संस्थापिका, दीया कुमारी ने पूजा-अर्चना की तथा अपने कर-कमलों से प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। कार्यक्रम के दौरान दीया कुमारी ने विद्यालय के ''कनेक्ट इंटरैक्ट क्लब'' के विद्यार्थियों के साथ मिलकर सामुदायिक सेवा के अंतर्गत खिचड़ी तैयार करने तथा उसे जरूरतमंदों में वितरित करने में सहयोग किया, जिससे छात्रों को करुणा और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना का संदेश मिला। कार्यक्रम के दौरान हिज हाइनेस महाराजा सवाई पद्मनाभ सिंह एवं प्रिंसेस गौरवी कुमारी विशिष्ठ अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

डॉ. हर्ष मिश्रा को राष्ट्रीय अवार्ड मिला

जयपुर (कासं)। त्रेतायुग फाउंडेशन की ओर से सम्मान समारोह का आयोजन राष्ट्रीय स्तर पर किया गया। जिसमें भारत के उन राष्ट्रीय गौरव का सम्मान हुआ, जिन्होंने हर क्षेत्र चाहे राजनीतिक क्षेत्र हो,चिकित्सा क्षेत्र हो,समाज सेवा,प्रशासनिक सेवा के क्षेत्र से हो,कला क्षेत्र से हो या किसी अन्य क्षेत्र से हो। इस समारोह में चिकित्सा क्षेत्र में वर्ष 2026 के लिए डॉ. हर्ष मिश्रा (आहार और पोषण विशेषज्ञ) को पोषण और डायटेटिक्स के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए राष्ट्रीय स्तर पर नेशनल प्राइड एंड एक्सीलेंस अवार्ड 2026 से पुरस्कृत किया गया।

एलआईसी का टेबल टेनिस टूर्नामेंट शुरू

मुंबई । भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के कार्यकारी निदेशक (मानव संसाधन विकास एवं प्रशिक्षण) सलील विश्वनाथ ने 28 जनवरी को लखनऊ स्थित के.डी. सिंह बाबू स्टेडियम में आयोजित अखिल भारतीय सार्वजनिक क्षेत्र टेबल टेनिस टूर्नामेंट 2025-26 का उद्घाटन किया। समारोह में लखनऊ मंडल के वरिष्ठ मंडलीय प्रबंधक संजय कुमार सिंह, केंद्रीय कार्यालय, मुंबई की सचिव (मानव संसाधन विकास एवं प्रशिक्षण) एस. गायत्री तथा उत्तर मध्य क्षेत्र, कानपुर के प्रादेशिक प्रबंधक (मानव संसाधन विकास) अजय कुमार मिश्रा भी उपस्थित रहे। यह टूर्नामेंट अखिल भारतीय सार्वजनिक क्षेत्र खेल नियंत्रण बोर्ड का वार्षिक आयोजन है, जिसका इस वर्ष आयोजन भारतीय जीवन बीमा निगम द्वारा किया जा रहा है। इसमें एलआईसी सहित 13 सार्वजनिक क्षेत्र संगठनों के लगभग 120 खिलाड़ी भाग ले रहे है। खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए सलील विश्वनाथ ने अनुशासन, एकाग्रता और सहनशीलता के विकास में खेलों के महत्व पर प्रकाश डाला।

सिग्नल-फ्री सिटी के रूप में जयपुर के विकास पर जोर

जयपुर । मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने कहा कि राजधानी जयपुर को सिग्नल-फ्री सिटी के रूप में विकसित करने की दिशा में ठोस एवं व्यवहारिक प्रस्तावों पर गंभीरता से कार्य करे। आधुनिक शहरी परिवहन प्रणाली तथा सुव्यवस्थित यातायात प्रबंधन से न केवल समय और ईंधन की बचत होगी, बल्कि नागरिकों के जीवन स्तर में भी उल्लेखनीय सुधार आएगा।

मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने यह निर्देश शुक्रवा रको राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित राज्य स्तरीय समीक्षा बैठक के दौरान अधिकारियों को दिए। उन्होंने कहा कि राज्य में तेजी से बढ़ते शहरीकरण को ध्यान में रखते हुए सुव्यवस्थित, पारदर्शी और भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप योजनाएं बनाएं। उन्होंने शहरी विकास से संबंधित नीतियों, नियमों एवं प्रक्रियाओं पर भी विचार-विमर्श किया।

नीरजा मोदी स्कूल के कक्षा 9 और 11 के विद्यार्थी दूसरे स्कूल में शिफ्ट नहीं होंगे

जयपुर (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने नीरजा मोदी स्कूल की कक्षा चार की छात्रा के आत्महत्या करने के बाद सीबीएसई की ओर से स्कूल की संबद्धता वापस लेने के मुद्दे पर फिलहाल राहत देने से इनकार कर दिया है। इसके साथ ही अदालत ने स्कूल प्रबंधन को कहा है कि वह सीबीएसई संबद्धता उप-नियम के नियम 13.10 के तहत एक सप्ताह में अपना अभ्यावेदन पेश करे। वहीं सीबीएसई तीन सप्ताह में अभ्यावेदन का निस्तारण करे। तब तक अदालत ने कक्षा 9 और कक्षा 11 के विद्यार्थियों को दूसरे स्कूल में शिफ्ट नहीं करने को कहा है। जस्टिस बिपिन गुप्ता की एकलपीठ ने यह आदेश नीरजा मोदी स्कूल की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

सुनवाई के दौरान सीबीएसई के अधिवक्ता एमएस राघव ने जवाब पेश कर कहा कि सीबीएसई के सम्बद्धता उप-नियम के नियम 13.10 के तहत प्रावधान है कि स्कूल को दंडादेश के खिलाफ अभ्यावेदन पेश करना होता है, जबकि याचिकाकर्ता ने इसके बिना सीधे ही याचिका पेश कर दी।

इसके अलावा समबद्धता वापस लेने से वर्तमान में कोई विद्यार्थी प्रभावित नहीं हो रहा है। सीबीएसई ने इसी स्कूल से कक्षा दस व कक्षा बारह के विद्यार्थियों को बोर्ड परीक्षा में शामिल होने की अनुमति दी है। वहीं कक्षा 9 व कक्षा 11 के विद्यार्थियों को भी उनके परीक्षा परिणाम या 31 मार्च, 2026 तक दूसरी स्कूल में शिफ्ट नहीं किया जा रहा है। सीबीएसई ने यह भी कहा कि स्कूल में एंटी बुलिंग सहित अन्य कमेटी केवल कागजों में ही काम कर रही थी। मृतका लंबे समय से बुलिंग की शिकार हो रही थी, लेकिन शिकायत के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं हुई। स्कूल में सुरक्षा मानकों की भी अवहेलना हुई है। सीबीएसई ने तथ्यों के आधार पर ही स्कूल की संबद्धता वापस ली है। स्कूल प्रशासन ने समबद्धता वापस लेने को चुनौती देते हुए कहा है कि इससे सैकड़ों विद्यार्थी मानसिक तनाव से गुजर रहे हैं।

- **हालांकि राजस्थान हाईकोर्ट ने सीबीएसई द्वारा स्कूल की सम्बद्धता वापस लेने के मुद्दे पर नीरजा मोदी को राहत नहीं दी है**
- **परंतु अदालत ने स्कूल प्रबंधन को कहा है कि वह सीबीएसई संबद्धता उप-नियम के नियम 13.10 के तहत एक सप्ताह में अभ्यावेदन पेश करे।**

ग्राम उत्थान शिविरों से ग्रामीण विकास को नई गति : मुख्य सचिव

जयपुर (कासं)। मुख्य सचिव वी. श्री निवास की अध्यक्षता में शुक्रवार को शासन सचिवालय में प्रदेशभर में आयोजित हो रहे ग्राम उत्थान शिविरों की प्रगति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभागवार एवं जिलेवार शिविरों के प्रभावी क्रियान्वयन की विस्तृत समीक्षा की गई।

मुख्य सचिव ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा आयोजित ग्राम उत्थान शिविरों के माध्यम से किसानों, पशुपालकों एवं ग्रामीण परिवारों को केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से सीधे जोड़ा जा रहा है। शिविरों के प्रथम चरण के तीन दिनों में प्रदेश के 941 गिरदावर सर्किलों में शिविर आयोजित किए गए, जिनमें 6 लाख 59 हजार 208 से अधिक ग्रामीणों ने भाग लिया। उन्होंने बताया कि इन शिविरों में कृषि, उद्यानिकी, कृषि विपणन, पशुपालन, डेयरी, मत्स्य, सहकारिता, जल संसाधन, ऊर्जा, उद्योग, ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज सहित 13 प्रमुख विभागों की योजनाओं का लाभ आमजन तक पहुंचाया जा रहा है। शेष ग्राम उत्थान शिविर 31 जनवरी, 1 फरवरी तथा 5 से 9 फरवरी तक आयोजित किए जाएंगे, जिनके माध्यम से प्रदेश के 2,839 गिरदावर सर्किलों को कवर किया जाएगा।

मुख्य सचिव वी. श्री निवास की अध्यक्षता में शुक्रवार को प्रदेशभर में आयोजित हो रहे ग्राम उत्थान शिविरों की समीक्षा बैठक हुई।

कृषि विभाग द्वारा 2.26 लाख किसानों को फसल बीमा एवं 2.33 लाख ग्रामीणों को एमएसपी की जानकारी दी गई। साथ ही 1.80 लाख से अधिक बीज मिनीकिट वितरण का सत्यापन किया गया। पशुपालन विभाग द्वारा 2.60 लाख पशुओं का उपचार, 47 हजार पशुओं का मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना में पंजीकरण तथा 20 हजार से अधिक टीकाकरण किए गए।

प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना के अंतर्गत 19,025 पात्र परिवारों के आवेदन भरवाए गए। सहकारिता विभाग द्वारा 15 हजार नए किसान क्रेडिट कार्ड, 25 हजार सदस्यता आवेदन स्वीकृत तथा 4,100 से अधिक बैंक खाते खोले गए। पंचायती राज विभाग ने 32 हजार से अधिक स्वामित्व कार्ड वितरित किए।

- **941 शिविरों में 6.59 लाख से अधिक ग्रामीणों को मिला योजनाओं का लाभ**

शिविरों में आगामी वर्ष की गतिविधियों के आवेदन पत्र तैयार करवाए जा रहे हैं, इस वर्ष के अनुदान आवेदनों की वर्तमान स्थिति तथा विभागीय योजनाओं की जानकारी दी जा रही है। साथ ही जटिल प्रकरणों का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशानुसार सभी आवेदनों का पारदर्शी, गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध निस्तारण कर योजनाओं का वास्तविक लाभ ग्रामीण नागरिकों तक पहुँचाया जा रहा है।

शहीद दिवस पर श्रद्धांजलि

शहीद दिवस पर शुक्रवार प्रातः 11 बजे राजस्थान विधानसभा के सदन में देश के अमर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। स्पीकर वासुदेव देवनानी ने सदन की कार्यवाही प्रारंभ होने से पूर्व सभी सदस्यों को राष्ट्र की स्वतंत्रता और अखंडता के लिए अपने प्राण न्यौछावर करने वाले वीर शहीदों के सम्मान में दो मिनट का मौन रखने के लिये कहा। सदन में उपस्थित सभी सदस्यगण ने शहीदों के बलिदान को नमन किया। शहीदों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की और देश सेवा के उनके आदर्शों को आत्मसात करने का संकल्प लिया।

मृदुभाषी जनसंपर्क के चेहरे दयाशंकर शर्मा सेवानिवृत्त

जयपुर (कासं)। सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के सहायक निदेशक दयाशंकर शर्मा 34 वर्ष की राजकीय सेवा के उपरांत शुक्रवार को सेवानिवृत्त हो गए। इनके साथ ही विभाग के सहायक कर्मचारी मूलचंद मौर्या भी सेवानिवृत्त हुए। इस अवसर पर सूचना एवं जनसंपर्क विभाग द्वारा शर्मा एवं मौर्या को भावभीनी विदाई दी गई।

सचिवालय स्थित मुख्यालय में आयोजित समारोह में सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के आयुक्त राकेश शर्मा ने दयाशंकर शर्मा को सरल, सहज एवं मृदुभाषी जनसंपर्क का चेहरा बताते हुए जनसंपर्क के क्षेत्र में दोनों कार्मिकों के योगदान को प्रेरणादायी बताया। शर्मा ने अपने 34 वर्षों के राजकीय सेवा के अनुभव साझा करते हुए कहा कि व्यक्ति को अपने कर्तव्य का निर्वहन समाज के प्रति समर्पित भाव से करना चाहिए। उन्होंने जनसम्पर्क परिवार द्वारा उन्हें सेवाकाल में दिए स्नेह, अनुभव के लिए आभार जताया। उल्लेखनीय है कि दयाशंकर शर्मा ने लंबे समय तक पुलिस आयुक्तालय सहित विभिन्न विभागों में जनसंपर्क सेवा के विभिन्न पदों पर अपनी सेवाएं दीं हैं। इस दौरान उनके सौम्य व्यवहार और कार्यशैली ने सभी के मन में एक अनूठी छाप छोड़ी। इस अवसर पर विभाग के अतिरिक्त निदेशक (प्रशासन) डॉ. गोरधन लाल शर्मा, अतिरिक्त निदेशक (क्षेत्र प्रचार) नर्मदा इंदौरिया, संयुक्त निदेशक (समाचार) मनमोहन हर्ष, सहायक निदेशक प्रियंका अग्रवाल ने दयाशंकर शर्मा के योगदान की सराहना की।

कांग्रेस विधायक बुडानिया ने प्रदेश में लड़कियों द्वारा घर छोड़ने का मुद्दा उठाया

जयपुर (विसं)। विधानसभा में राज्यपाल के अभिभाषण पर बहस के दौरान कांग्रेस विधायक नरेंद्र बुडानिया ने जहां प्रदेश की सामाजिक स्थिति और सरकार की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए। कांग्रेस विधायक नरेंद्र बुडानिया ने सदन में कहा कि प्रदेश में ऐसी घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं, जो पूरे समाज को शर्मसार करने वाली हैं। उन्होंने कहा कि लड़कियों के घर से भागने की घटनाएं तेजी से बढ़ रही हैं, जिससे माता-पिता रातों की नींद खो चुके हैं।

बुडानिया ने दावा किया कि हजारों लड़कियां प्रेमियों के साथ घर छोड़ रही है और हालात इतने गंभीर हो गए हैं कि चार-चार बच्चों की मां भी घर से भाग रही हैं। उन्होंने कहा कि कई मामलों में जब पुलिस लड़कियों को ढूंढकर वापस घर लाती है, तो वे अपने ही माता-पिता को पहचानने से इनकार कर देती हैं। एक बेटी अगर अपने मां-बाप से कह दे कि मैं तुम्हें नहीं पहचानती, तो इससे बड़ी पीड़ा और क्या हो सकती है, बुडानिया ने भावुक होते हुए कहा। उन्होंने एक मार्मिक उदाहरण देते हुए बताया कि एक मामले में बेटी के वापस आने के बाद पिता इतना टूट गया कि उसने आत्महत्या कर ली।

- **बुडानिया ने भावुक होते हुए कहा ''कई मामलों में जब पुलिस लड़कियों को ढूंढकर वापस घर लाती है, तो वे अपने ही माता-पिता को पहचानने से इनकार कर देती हैं। एक बेटी अगर अपने मां-बाप से कह दे कि मैं तुम्हें नहीं पहचानती, तो इससे बड़ी पीड़ा और क्या हो सकती है?''**

बुडानिया ने कहा कि यह केवल कानून या सुप्रीम कोर्ट के फैसलों का विषय नहीं है, बल्कि सभी राजनीतिक दलों और समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है कि लड़कियों के घर छोड़ने की बढ़ती प्रवृत्ति पर रोक लगाने के लिए गंभीरता से विचार किया जाए और कोई ठोस रास्ता निकाला जाए। इसी बहस के दौरान बुडानिया ने सरकार की कार्यशैली पर भी सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि हारे हुए बीजेपी उम्मीदवारों से सरकारी योजनाओं का उद्घाटन करवाया जा रहा है, जो लोकतांत्रिक मर्यादाओं के खिलाफ है। उन्होंने तारानगर क्षेत्र का उदाहरण देते हुए कहा कि वर्ष 2023 में उनके इलाके में अस्पताल का शिलान्यास हो चुका था, लेकिन उद्घाटन के समय न तो स्थानीय विधायक को बुलाया गया और न ही स्वास्थ्य मंत्री पहुंचे।

बुडानिया ने कहा कि अस्पताल का उद्घाटन पानी के मंत्री द्वारा किया गया, जबकि शिलान्यास पट्टिका पर स्थानीय विधायक का नाम न होकर हारे हुए विधायक उम्मीदवार का नाम दर्ज था। उन्होंने तंज कसते हुए कहा, हारे हुए उम्मीदवार कैंची लेकर उद्घाटन करते घूम रहे हैं और चुने हुए विधायक विधानसभा में अपनी बात रख रहे हैं। यह विधायकों की गरिमा के खिलाफ है। वहीं, बीजेपी विधायक जसवंत यादव ने एसआईआर को लेकर कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अब वोट कटने के नाम पर बेवजह हल्ला मचा रही है। यादव ने कहा, आपका-हमारा वोट कटे तो हम मान सकते हैं, लेकिन जब बांग्लादेशी और रोहिंग्याओं के नाम वोटर लिस्ट से हटते हैं, तो कांग्रेस को इतनी तकलीफ क्यों हो रही है? यादव ने दावा किया कि एसआईआर में मुसलमानों से ज्यादा हिंदुओं के वोट कटे हैं और कांग्रेस को मुसलमानों के नाम पर हौव्वा खडा नहीं करना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस देश में पैदा हुआ व्यक्ति चाहे हिंदू हो या मुसलमान, उसका वोट नहीं कटना चाहिए।